जैव विविधता बाहुल्य एवं प्राकृतिक सुंदरता से भरा है बिहार : तेजप्रताप

पटना/कार्यालय संवाददाता। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री तेजप्रताप यादव ने शुक्रवार को जैव विविधता पर बेबसाइट एवं अन्य को लोकापर्ण किया। इस मौके पर मंत्री ने कहा कि प्रत्येक पक्षी का व्यवहार दिलचस्प और अनोखा होता है। पक्षियों के व्यवहार का अध्ययन करना एक दिलचस्प विषय है। पक्षियों के विभिन्न व्यवहारों खास कर उनके सामाजिक व्यवहार से काफी कुछ सीखा जा सकता है। हर एक प्रजाति के पक्षी की अपनी विशिष्ट पहचान होती है, जैसे प्रत्येक प्रजाति के पक्षियों के गीत गाने का ढंग अलग-अलग होता है। उन्होंने कहा कि बिहार जैव विविधता बाहुल्य एवं प्राकृतिक सुन्दरता से भरा राज्य है। यह राज्य वन सम्पदा, कृषि विविधता एवं नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण पारंपरिक ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है।

यहाँ के लोग पेड़-पौधों की सदैव रक्षा करते हैं। बिहार राज्य के नदी, तालाब इत्यादि इसकी जैव विविधता को समृद्ध करते हैं। पूरे राज्य में 21 नवंबर को को जैव विविधता प्रबंधन समितियों का गठन किया जा रहा हैं। 21 नवंबर को सभी 8,058 पंचायतों में ग्रामसभा की जा रही है। इस सभा में छह सदस्य, जिसमें एक अध्यक्ष होगा का चुनाव होगा। इस प्रकार पूरे राज्य में 51,000 से अधिक सदस्य जैव विविधता तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करेंगे। जैव विविधता प्रबंधन समिति के गठन एवं उसके उपरान्त बैठक की कार्यवाही को ऑनलाइन अपलोड करने हेतु दिशा निर्देश की तीन पुस्तकें, (पंचायत स्तर, पंचायत समिति एवं जिला परिषद्). जैव विविधता प्रबंधन समिति के गठन की कार्यवाही को ऑनलाइन अपलोड करने के लिए सॉफ्टवेयर भी तैयार किया गया है। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद् द्वारा विद्यार्थियों के लिए वृक्षों को मित्र बनाएं मार्गदर्शिका का प्रकाशन किया गया है। यह मार्गदर्शिका विद्यालयों के छात्रों के लिए अपने आसपास के पौधों को पहचानने एवं उनके संबंध में जानकारी प्रदान करने में काफी लाभदायक होगा। पारिस्थितिकी तंत्र में पौधों की क्या अनिवार्यता है, इसकी जानकारी विद्यार्थियों को मिल सकेगी। पौधों का वातावरण पर प्रभाव की तथ्यपरक जानकारी होने से पौधों के संरक्षण के प्रति हमारे भविष्य की पीढ़ी जागरूक हो सकेगी। बर्ड वाचिंग से संबंधित एक पुस्तिका प्रकाशित की गयी। प्रकृति में पक्षियों के देखने की क्रिया को बर्ड वाचिंग कहते हैं और जो व्यक्ति पक्षियों को उनके प्राकृतिक माहौल में देखते हैं उन्हें बर्ड वाचर कहते हैं या दूसरे शब्दों में पक्षियों की हरकतों एवं उनके व्यवहार के अध्ययन को बर्ड वाचिंग कहते हैं।